भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †135

सोमवार, 25 नवम्बर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

घरेलू पर्यटन को बढ़ावा

†135. डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल की हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों के दौरान वर्ष-वार कितनी निधि आवंटित की गई है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र राज्य में आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों का पालघर जिले सहित जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की पालघर जिले सहित महाराष्ट्र राज्य में नए पारिस्थितिकीय पर्यटन और तटीय पर्यटन के विकास की कोई योजना है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) देश में पारिस्थितिकी पर्यटन के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): पर्यटन मंत्रालय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों और महोत्सवों के आयोजन हेतु राज्य सरकारों को सहायता आदि सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से पर्यटक स्थल के रूप में भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से भी विभिन्न पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का प्रचार करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में घरेलू पर्यटन के संवर्धन हेतु जनवरी, 2020 में 'देखो अपना देश' पहल की शुरुआत की थी। इस पहल के अंतर्गत पर्यटन मंत्रालय वेबिनार, क्विज, शपथ, सेमिनार, पर्यटन संवर्धन संबंधी कार्यक्रम, परिचय यात्रा आदि जैसे कार्यकलापों का आयोजन करता है।

पिछले तीन वर्षों के दौरान आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार योजना के तहत आवंटित निधि का विवरण निम्नानुसार है:-

(करोड़ रु. में)

वित्तीय वर्ष	**बजट अनुमान**
2022-23	75
2023-24	75
2024-25	176.97

(ग): वर्ष 2021-2023 के दौरान महाराष्ट्र में घरेलू पर्यटक यात्राएं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राएं (एफटीवी) का विवरण नीचे दिया गया है:-

(लाख में)

वर्ष	**डीटीवी***	**एफटीवी***
2021	435.69	1.86
2022	1112.98	15.12
2023	1613.60	33.88

*अनुमानित डाटा

(घ) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने देश में पारिस्थितिकीय-पर्यटन और तटीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलें की हैं। मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में तटीय परिपथ के अंतर्गत सिंधुदुर्ग -सागरेश्वर, तरकरली, विजयदुर्ग (बीच और क्रीक), मितभाव का विकास किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी और सुरक्षित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के सहयोग से पर्यटन गंतव्यों के एकीकृत विकास हेतु एक मजबूत फ्रेमवर्क का सृजन करने के मिशन के साथ अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के तौर पर नया रूप दिया है। इस योजना के तहत महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग का विकास हेतु चयन किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय अवसंरचना विकास, क्षमता निर्माण, पर्यटन संवर्धन, पारिस्थितिकीय पर्यटन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति के संयोजन से पारिस्थितिकीय-पर्यटन को देश में स्थायी विकास का प्रमुख स्तंभ बनाने के लिए कार्य कर रहा है।

****